मुख्य भाषण - **प्रोफ. डॉ.एस.तंकमणी अम्मा**
(पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल विश्वविद्यालय)

अकादमी के चेयरमान देशरत्न डॉ. चन्द्रशेखरन नायरजी ९६ वर्ष के हो गए हैं। उनके आदर सम्मान

आशंसा गीत - **श्रीमती आर. राजपुष्पम**

आशीर्वाद भाषण - **श्री. के.रामनपिल्लै**

डॉ.शंकरनकुट्टि नायर

डॉ. पंडित बन्ने डी.लिट्.
(अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, भारत महाविद्यालय, शोलापुर)

डॉ. सुधीर किडंङूर
(पूर्व प्रिन्सिप्पाल, एम.जी.कॉलेज, तिरुवनन्तपुरम)

डॉ. के.सी. अजयकुमार
(हिन्दी और मलयालम लेखक)

डॉ. विजयलक्ष्मी
(एक्सीक्यूटीव मेंबर)

जवाबी भाषण - **डॉ.रेणु एस.**

कृतज्ञता ज्ञापन - **श्री.आर.कृष्णनकुट्टी**
(एक्सीक्यूटीव मेंबर)

संचालन - **श्री. विष्णु आर.एस.**

- राष्ट्रगीत -

केरल हिन्दी साहित्य अकादमी

लक्ष्मीनगर, पट्टम पालस, तिरुवनन्तपुरम - ४

38 वाँ वार्षिक सम्मेलन

स्थल : मन्नम मेम्मोरियल हॉल, स्टाच्यू (प्रेस क्लब के समीप)
समय : 28-12-2018 सुबह 10.30 बजे

कार्य-क्रम

प्रार्थना -

स्वागत - **डॉ.के.पी.उषाकुमारी**
(प्रोफसर, एम.जी.कॉलेज)

अध्यक्ष - **जस्टीस एम.आर.हरिहरन नायर**
(चेयरमान, यूणिवर्सिटी एत्तिक्स कम्मट्टी,
केरल मेडिक्कल यूणिवर्सिटी, तृश्शूर)

वार्षिक रिपोर्ट की प्रस्तुति - **डॉ. एस. सुनन्दा**
(महासचिव, केरल हिन्दी साहित्य अकादमी)

उद्घाटन
विशिष्ट अतिथि - **डॉ. जी.बालमोहन तम्पी**
(पूर्व कुलपति, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम)

डॉ.एन.चन्द्रशेखरन नायर हिन्दी
गवेषण पुरस्कार समर्पण - **डॉ. जी.बालमोहन तम्पी**

पुरस्कार विजेता - **डॉ. रेणु एस.**
(असि.प्रोफ., हिन्दी विभाग,
एन.एस.एस. हिन्दू कॉलेज, चङ्ङनाश्शेरी)

("सत्तरोत्तर हिन्दी नाटकों में पौराणिक और पुरावृत्त तत्वों का व्यवहार : एक विवेचन" नामक शोध प्रबन्ध के लिए यह पुरस्कार दिया जाने वाला है। पच्चास हज़ार रुपए और स्मृतिचिह्न पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा। यह प्रतिवर्ष दिये जानेवाले प्रथम और सबसे बडा हिन्दी गवेषण पुरस्कार है।)